

डॉ. के. श्रीनिवासराम
सचिव
Dr. K. Sreenivasarao
Secretary

साहित्य अकादेमी
(राष्ट्रीय साहित्य संस्थान)
संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार की स्वायत्तशासी संस्था
Sahitya Akademi
(National Academy of Letters)
An Autonomous Organisation of Government of India, Ministry of Culture



प्रेस विज्ञप्ति

प्रख्यात आइरिश कवयित्री बर्नाडेट गैलाघर का काव्य-पाठ सम्पन्न

नई दिल्ली। 30 अक्टूबर 2018 – साहित्य अकादेमी में आज प्रख्यात आइरिश कवयित्री बर्नाडेट गैलाघर की कविताओं के पाठ का आयोजन किया गया। इस अवसर पर आयरलैंड के राजदूत श्री ब्रियान मैकएल्डफ भी उपस्थित थे। कार्यक्रम के प्रारंभ में साहित्य अकादेमी के सचिव ने बर्नाडेट गैलाघर का स्वागत करते हुए उनका संक्षिप्त परिचय प्रस्तुत किया। प्रख्यात बाङ्गला लेखक निर्मलकांति भट्टाचार्यजी ने कवयित्री एवं आयरलैंड के राजदूत का स्वागत प्रख्यात अंग्रेजी कवि केकी. एन दारुवाला ने अंगवस्त्रम एवं पुस्तक भेंट करके किया। आइरिश कवयित्री ने अपनी लगभग एक दर्जन कविताओं का पाठ किया और उसके साथ उन्होंने इन कविताओं से जुड़ी रचनात्मक प्रक्रिया को भी साझा किया। उनकी कविताओं में युद्ध, विस्थापन, पर्यावरण, मिता और हाशिए पर रह रहे लोगों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त की गई थी। उन्होंने विश्व में फैल रहे आतंकवाद को भी अपनी कविताओं में प्रस्तुत किया। कार्यक्रम के पश्चात् उपस्थित विभिन्न भाषाओं के लेखकों ने उनकी कविताओं पर टिप्पणियाँ भी कीं। प्रख्यात हिंदी कवि मंगलेश डबराल ने उनकी तीन कविताओं का नन्हें छोकरे, छायाएँ एवं बीज शीर्षक से हिंदी अनुवाद प्रस्तुत किया। प्रख्यात अंग्रेजी कवि केकी. एन. दारुवाला ने उनकी कविताओं को संवेदना के अलग स्तर पर जाकर समझने की अपील की। बर्नाडेट गैलाघर ने उपस्थित श्रोताओं के सवालों का जवाब देते हुए कहा कि मेरे लिए जमीन से जुड़ना अति महत्वपूर्ण है। उन्होंने आयरलैंड की वर्तमान राजनीतिक स्थिति का भी उल्लेख किया। रागी ने उनकी कविताओं में भारत की संवेदनशीलता को गहराई से महसूस किया। कार्यक्रम में प्रख्यात लेखक एच.एस. शिवप्रकाश, प्रबीर बसु, सुदीप सेन, जनरल बक्शी, देवेन्द्र चौबे, चंद्रमोहन, ए.जे. थॉमस आदि उपस्थित थे।


(के. श्रीनिवासराम)